एमडीआई गुड़गांव ने आयोजित किया राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए किया सेंटर फॉर फाइनैंशियल सर्विसेज का उद्घाटन

भास्कर समाचार सेवा

गुड़गांव। एमडीआई गुड़गांव ने एक ऐतिहासिक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका विषय था 'फुली बैंक्ड, इंश्योर्ड एवं पेंशन्ड सोसाइटी फॉर अ विकसित भारत 2047: फ्यूचर रोडमैप'। सार्वजनिक एवं निजी सेक्टर के विचारक और विशेषज्ञ भारत के फाइनैंशियल सिस्टम के भविष्य पर विचार-विमर्श के लिए इस मंच पर इकट्ठा हुए। कार्यक्रम के दौरान एमडीआई गुरूग्राम में 'सेंटर फॉर फाइनैंशियल सर्विसेज' का उद्घाटन भी किया गया- जो देश की फाइनैंशियल पॉलिसी एवं इनोवेशन को आकार देने की संस्थान की यात्रा में महत्वपूर्ण कदम है। 27 मई 2025 को एमडीआई गुड़गांव के परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान जाने-माने नीति-निमार्ताओं, विनियामक प्रमुखों, फाइनैंशियल स्ट्रैटेजिस्ट्स एवं अकादमिक जगत के विद्वानों ने दिन भर प्रभावशाली चचाओं में हिस्सा लिया। सम्मेलन ने '2047 तक देश को विकसित भारत' बनाने के दृष्टिकोण के साथ भारत के बैंकिंग, इंश्योरेन्स एवं पेंशन सिस्टम' में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया। उद्घाटन सत्र की शुरूआत एमडीआई गुड़गांव के डायरेक्टर प्रोफेसर अरविंद सहाय द्वारा स्वागत सम्बोधन के साथ हुई। इसके बाद पीएफआरडीए के चेयरमैन डॉ दीपक मोहंती और सेबी के पूर्व चेयरमैन श्री एम दामोदरन ने सभा को सम्बोधित किया। उन्होंने सामाजिक-आर्थिक विकास को गति प्रदान करने के लिए वित्तीय समावेशन एवं डिजिटल इनोवेशन की भूमिका पर भी जोर दिया।